University in News on 15 November 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

तीन भागों में बांटा जाएगा लखनऊ विश्वविद्यालय

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। सौ वर्षों से भी अधिक पुराने लखनऊ विश्वविद्यालय को तीन भागों में बांटने की तैयारी है। इसके लिए कार्ययोजना तैयार हो रही है। विवि के तीन भागों में एक भाग प्रशासनिक परिसर, दूसरा शैक्षणिक और तीसरा आवासीय परिसर के तौर पर विकसित किए जाने की बात चल रही है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में शिक्षकों, छात्रों और प्रशासनिक अधिकारियों के कार्यों में कोई बाधा न आए, इसलिए यह बदलाव करने का फैसला किया गया है। विवि में अब सभी तरह के लोगों के प्रवेश के लिए अलग-अलग द्वार होंगे। विवि में प्रशासनिक कार्यों के लिए गेट नंबर एक (भाउराव देवरस द्वार) का इस्तेमाल होगा। गेट संख्या तीन को मुख्य द्वार के तौर पर इस्तेमाल किया जाएगा। इसके निर्माण को लेकर काम शुरू हो गया है। यहां प्रवेश करने के बाद एक ओर शिक्षकों और दूसरी तरफ विद्यार्थियों की पार्किंग होगी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के मुताबिक, विवि में आने वाले दिनों में गेट नंबर-एक से सिर्फ प्रशासनिक, परीक्षा संबंधित कार्यों के लिए ही दाखिल हो सकेंगे। छात्रों और शिक्षकों को इस गेट से प्रवेश नहीं मिल सकेगा। जिन लोगों का प्रशासनिक भवन में कार्य है, वही इससे प्रवेश ले सकेंगे।

गेट नंबर तीन होगा मुख्य द्वार, भाऊराव देवरस द्वार प्रशासनिक कार्यों के लिए

गेट नंबर दो बनेगा वीआईपी द्वार

लविवि में मालवीय सभागार और एपी सेन सभागार का नवीनीकरण हो चुका है। यहां आए दिन कोई न कोई कार्यक्रम होते रहते हैं। यहां तमाम वीआईपी मेहमानों का आना होता है। इसीलिए अब गेट नंबर दो को सिर्फ वीआईपी एंट्री के लिए खोला जाएगा। कुलपति प्रो. आलोक राय ने बताया कि इस गेट का भी निर्माण कराया जाएगा।

एलयूआरएन से जोड़े जाएंगे लविवि के सभी एकेडमिक रिकॉर्ड

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय रजिस्ट्रेशन नंबर (एलयूआरएन) से सभी एकेडमिक रिकॉर्ड को जोड़ने की तैयारी लविवि कर रहा है। इससे वेरीफिकेशन, रिजल्ट व लाइब्रेरी समेत कई सेवाओं तक छात्रों की पहुंच आसान हो जाएगी।

विवि ने एलयूआरएन के जरिए परीक्षा फॉर्म के सीधे सत्यापन की व्यवस्था शुरू कर दी है। साथ ही अब सभी एकेडमिक रिकॉर्ड को जोड़ा जाएगा। इससे छात्रों के दस्तावेज सत्यापन में बाधा नहीं आएगी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि पंजीकरण संख्या के साथ ही छात्रों को शैक्षणिक सेवाओं का भी फायदा होगा। कॉलेजों के छात्रों की परीक्षा परिणाम और पुस्तकालय सेवाओं तक पहुंच आसान हो जाएगी। छात्रों को छात्रवृत्ति, वित्तीय सहायता व सूचनाएं भी आसानी से मिलेंगी। एलयूआरएन की मदद से आवेदकों को वास्तविक समय में आवेदन की स्थिति, दस्तावेज सत्यापन और शुल्क भुगतान सहित अपनी प्रवेश स्थिति की जांच आसान होगी। विद्यार्थी आसानी से आधिकारिक प्रतिलेख और प्रमाणपत्र का अनुरोध कर सकते हैं। (संवाद)

पीएचडी साक्षात्कार की तिथि में बदलाव

लखनऊ। पुनर्वास विवि में पीएचडी प्रवेश 2023-24 के तहत ललित कला विषय के शोध प्रस्ताव, प्रस्तुतिकरण और साक्षात्कार की तिथि में बदलाव कर दिया गया है। अब यह प्रक्रिया 17 व 18 नवंबर को पूरी की जाएगी। विभागाध्यक्ष प्रो. पी. राजीवनयन ने बताया कि पहले यह तिथि 7 व 8 नवंबर थी। इतिहास का पीएचडी साक्षात्कार 18 नवंबर को होगा। इसके विद्यार्थियों को एकेडमिक ब्लॉक के दूसरे तल, ए-2 पर दोपहर 12:30 बजे जरूरी दस्तावेजों के साथ पहुंचना होगा। (संवाद)

JAGRAN CITY PAGE IV

एलयूआरएन से होंगे विद्यार्थियों को कई फायदे, मिलेगी सुविधा

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से शुरू की गई लवि रजिस्ट्रेशन नंबर (एलयूआरएन) की नई व्यवस्था से छात्र-छात्राओं के कई कार्य किए जा सकेंगे। इससे विद्यार्थियों की प्रवेश प्रगति को ट्रैक करना और विश्वविद्यालय के साथ संवाद करना आसान होगा। छात्र-छात्राएं इससे आधिकारिक प्रतिलेख (ट्रांसक्रिप्ट) और प्रमाणपत्र के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। मंगलवार को विश्वविद्यालय ने इसकी विस्तृत जानकारी साझा की।

दरअसल, लवि ने वर्तमान सत्र से प्रवेश के आवेदन के लिए एलयूआरएन पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य किया था। इस बार करीब एक लाख 80 हजार पंजीकरण हुए हैं। विश्वविद्यालय के मुताबिक इस छात्र पंजीकरण संख्या शुरू करने से विद्यार्थियों को कई फायदे भी होंगे। इस यूनिक पंजीकरण संख्या से आवेदकों को वास्तविक समय में आवेदन की स्थिति, दस्तावेज सत्यापन और शुल्क भुगतान सहित अपनी प्रवेश स्थिति देख सकेंगे। इससे पारदर्शिता को बढ़ावा मिलेगा और प्रवेश प्रक्रिया के दौरान चिंता कम होगी। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि छात्र पंजीकरण संख्या की शुरुआत समग्र छात्र अनुभव को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह छात्रों को सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला तक सुविधाजनक पहुंच प्रदान करता है। यह पहल लवि छात्रों की शैक्षिक यात्रा को बढ़ाने और डिजिटल युग के अनुरूप हमारी सेवाओं में सुधार करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

पूर्व विद्यार्थियों की ट्रैकिंग

यह पंजीकरण संख्या छात्रों के साथ आजीवन संबंध बनाए रखने में मदद करेगी। इससे पूर्व छात्रों की शैक्षणिक और व्यावसायिक यात्राओं पर नजर रखने, नेटवर्किंग, परामर्श और विश्वविद्यालय समुदाय में उनका योगदान पाने में मदद करेगी।

पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता

यूनिक पंजीकरण से पात्र छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता के वितरण में सहायता करेगी। यह सुनिश्चित करेगी कि योग्य व्यक्तियों को उनकी शिक्षा के लिए आवश्यक सहायता प्राप्त हो।

बी.एससी. बाटनी की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 30 से

जासं, लखनऊ: लवि ने बी.एस.सी पहले और तीसरे सेमेस्टर बाटनी की प्रयोगात्मक परीक्षाओं की डेटशीट जारी कर दी है। तीसरे सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षा 30 नवंबर, एक व दो दिसंबर को होगी। पहले सेमेस्टर की यह परीक्षा चार, पांच, छह व सात दिसंबर को होगी। इसका नोटिफिकेशन वेबसाइट पर अपलोड किया गया है।

i-NEXT PAGE 4

रजिस्ट्रेशन नंबर से पहचान रहेगी सेफ

LUCKNOW (14 Nov): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने स्टूडेंट्स के साथ बेहतर संवाद करने और उन्हें बेहतर अकेडमिक माहौल देने के लिए हाल ही में रजिस्ट्रेशन नंबर की शुरुआत की है. एलयू के अधिकारियों का कहना है कि इस रजिस्ट्रेशन नंबर से स्टूडेंट्स का यूनिवर्सिटी के साथ संवाद बेहतर होगा. साथ ही उनके रेकॉर्ड्स रखने में मदद मिलेगी. एलयू के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि एलयू ने रजिस्ट्रेशन के बाद स्टूडेंट्स को यूनीक रजिस्ट्रेशन नंबर दिया है. इस नंबर के कई फायदे हैं. एक तो उनको एडमिशन को ट्रैक करने में आसानी तो होगी ही साथ ही डॉक्यूमेंटेशन की दिक्कतें भी दूर होंगी. इसके अलावा पूर्व छात्रों की ट्रैकिंग, छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता में भी इसका लाभ स्टूडेंट्स को मिलेगा.

कालेज को दी सहयुक्तता

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय ने लखीमपुर खीरी के कमला हरि महाविद्यालय को बी.एस.सी कृषि पाठ्यक्रम की अस्थायी सहयुक्तता दी है। कालेज इस कोर्स में 60 सीटों पर प्रवेश इसी सत्र से ले सकता है। कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। (जासं)

NBT PAGE 6

पुरानी जींस और गिटार

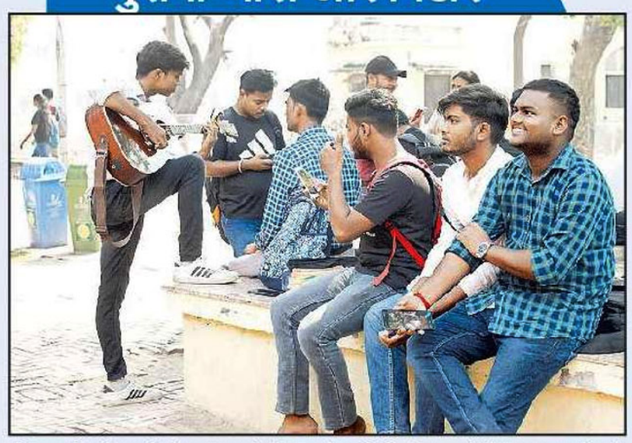

दीपावली की छुट्टी में घर जाने से पहले लविवि के छात्रों ने एक-दूसरे को गीत-संगीत से विदाई दी। किसी ने गिटार संभाला तो कोई गुनगुनाया।

HINDUSTAN PAGE 7

एलयूआरएन से जोड़े जाएंगे रिकार्ड

लखनऊ। एलयू में अब लखनऊ विश्वविद्यालय रजिस्ट्रेशन नंबर (एलयूआरएन) से सभी एकेडमिक रिकार्ड को जोड़ा जाएगा। जिससे वेरीफिकेशन, रिजल्ट व लाइब्रेरी समेत कई अन्य सेवाओं तक पहुंच आसान हो जाएगी। लखनऊ विश्वविद्यालय ने एलयूआरएन के जरिए सीधे सत्यापन की व्यवस्था शुरू कर दी है। इससे सभी अकादमिक रिकॉर्ड को जोड़ दिया जाएगा। जिससे सत्यापन प्रक्रिया में कोई दिक्कत नहीं होगी।

TOI PAGE 4

LU students to be given unique nos.

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The Lucknow University (LU) on Tuesday introduced a unique registration number system in a bid to enhance the educational experience of students. The initiative is aimed at improving efficiency, communication and the overall learning environment at the university, officials said.

The introduction of registration numbers for students will have manifold benefits, officials said. First, it will simplify the application process. Students applying for various courses at LU will be given a unique Student Registration Number (SRN) upon registration, making it easier to track their admission progress and communicate with the university.

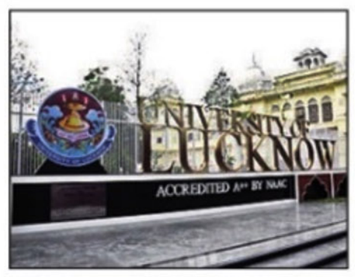

The move, officials say, will enhance the educational experience of students

Two, the allotment of SRN will increase transparency by allowing applicants to check their admission status, including application status, document verification and fee payment, in real-time. "This fosters transparency and reduces anxiety during the admission process," said an official. Third, the SRN is expected to streamline administrative processes such as easy access to academic records, quick verification of student identities ensuring a more efficient and convenient experience for students. In addition, it will enhance security by protecting students' personal and academic information, reducing the risk of unauthorized access or identity fraud.

With SRN in place, students can conveniently access academic services, such as course registration, exam results and library services, said LU vice-chancellor Prof AK Rai said.

AMRIT VICHAR PAGE 4

छात्रवृत्ति लेनी है तो खंगालिए पंजीयन व्यवस्था

शैक्षिक व्यवस्था को अधिक दुरुस्त करने की कवायद, संचार और समग्र शिक्षण व्यवस्था को किया श्रृंखलाबद्ध

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय

अमृत विचार : छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता लेनी है तो लखनऊ विवि के छात्रों को पंजीयन व्यवस्था खंगालनी होगी। इस ट्रैक के सहारे न सिर्फ योजनाओं का लाभ मिलेगा। बल्कि वो जानकारियां भी हासिल होंगी जो पूर्व के छात्र इसे पाकर विश्वस्तरीय खाके में अपना नाम दर्ज करा चुके हैं।

लखनऊ विवि के कुलपति आलोक कुमार राय बताते हैं कि छात्र पंजीकरण संख्या की शुरुआत समग्र छात्र अनुभव को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। डिजिटल व्यवस्था के सहारे विवि के छात्र न सिर्फ योजनाओं का लाभ ले सकेंगे। बल्कि पूर्व के छात्रों की वो जानकारियां भी हासिल कर सकेंगे जिसके सहारे छात्रों ने बड़ी उपलब्धियां पाई हैं। हाल फिलहाल संचार और समग्र शिक्षण व्यवस्था को श्रृंखलाबद्ध किया गया है। इसके परिणाम निश्चित रूप से दूरगामी होंगे।

छात्र समुदाय निर्माण - छात्र पंजीकरण संख्या छात्र समुदायों के गठन की सुविधा में सहायक रहेगी। इससे शैक्षणिक और पाठ्येतर परियोजनाओं पर जुड़ना और सहयोग करना आसान हो जाएगा।

प्रमाण पत्रों को हासिल करने की व्यवस्था - छात्रों के पंजीयन से लेकर शैक्षणिक प्रमाण पत्र प्राप्त करने की व्यवस्था भी आसानी से होगी। आवेदन की स्थिति, दस्तावेज सत्यापन और शुल्क भुगतान सहित अन्य क्षेत्रों में लाभकारी होगी।

धोखाधड़ी का जोखिम भी खत्म- छात्र अकादमिक रिकार्ड तक आसानी से पहुंच सकते हैं। ये व्यवस्था शैक्षणिक जानकारी की सुरक्षा के लिए एक अतिरिक्त परत जोड़ने का भी कार्य करेगी। साथ ही ऑनलाइन धोखाधड़ी का जोखिम भी कम रहेगा। पाठ्यक्रम पंजीकरण से पुस्तकालय सेवाएं और आसानी से मिल सकेंगी।

पंजीकरण संख्या देगी दक्षता को बढ़ावा

लखनऊ विवि ने पंजीकरण संख्या को शुरू करते व्यवस्था को दुरुस्त करने की कवायद की है। विभागाध्यक्षों का मानना है कि इससे शिक्षण वातावरण में मजबूती आएगी। शैक्षिक अनुभव को बढ़ाने के उद्देश्य से नई पहले को मूर्त रूप दिया जा रहा है। विवि के कुलपति आलोक कुमार राय का कहना है कि पंजीकरण पर आवेदकों को एक पंजीकरण संख्या सौंपी जाएगी। जिससे प्रवेश प्रक्रिया को जानना और संवाद स्थापित करना और अधिक आसान हो जाएगा। आवेदन की स्थिति, दस्तावेज सत्यापन और शुल्क भुगतान सहित अन्य क्षेत्रों में लाभकारी होगी। छात्र अकादमिक रिकार्ड तक आसानी से पहुंच सकते हैं। ये व्यवस्था शैक्षणिक जानकारी की सुरक्षा के लिए एक अतिरिक्त परत जोड़ने का भी कार्य करेगी। साथ ही ऑनलाइन धोखाधड़ी का जोखिम भी कम रहेगा। पाठ्यक्रम पंजीकरण से पुस्तकालय सेवाएं और आसानी से मिल सकेंगी। अध्ययनरत छात्र पंजीकरण संख्या के सहारे एक क्लिक पर पूर्व छात्रों का ब्योरा भी जुटा सकते हैं। इतना ही नहीं नई संख्या के सहारे उनसे अनुभव भी साझा किये जाने की व्यवस्था तकनीकी के हिस्से में शामिल की गई है।

छात्रों के साथ मनाया दीपोत्सव

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ विवि में हुए विविध आयोजन, साझा हुए अनुभव
- विवि के कुलपति सहित विभागाध्यक्ष रहे मौजूद

अमृत विचार : दीपोत्सव में लखनऊ विवि सतरंगी छटाओं से नहा गया। दीपावली में देर रात तक विविध आयोजन हुए। विदेशी छात्राओं के साथ विभागाध्यक्षों ने सार्थकता के संदेश भी दिये।

दीपावली में देर रात कुलपति आलोक कुमार राय ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए दीप प्रज्वलन किया। कुलपति द्वारा अपने उद्बोधन में उत्सव के महत्व को विस्तार दिया गया। उन्होंने प्रकाश, समृद्धि, सौहार्द एवं खुशियों के प्रतीक पर्व को लेकर विदेशी छात्र-छात्राओं को बिन्दुवार जानकारी दी। कार्यक्रम में मौजूद विदेश छात्र-छात्राओं ने परिसर के भीतर पंक्तिबद्ध दिये जलाए। फिर खुशियों की छटा बिखेरने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कुलपति ने विद्यार्थियों को उपहार दिये। इस अवसर पर संगीता राय, राजेश्वरी राय, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर संगीता साहू, चीफ प्रोवोस्ट प्रोफेसर अनूप कुमार सिंह, डॉ. मनीषा शुक्ला, डॉ. भुवनेश्वरी भारद्वाज, डॉ. बबिता जायसवाल, प्रो. गीतांजलि मिश्रा, प्रो. विमल जायसवाल, प्रो. आरपी सिंह सहित अन्य प्रोवोस्ट और सहायक प्रोवोस्ट उपस्थित रहे।

दीपोत्सव के दौरान विवि कुलपति और विदेशी छात्र। अमृत विचार

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

एलयूआरएन शुरू करके पारदर्शिता और दक्षता को बढ़ावा देने की दिशा में लविवि

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने पंजीकरण संख्या शुरू करके अपने छात्रों के शैक्षिक अनुभव को बढ़ाने के उद्देश्य से एक नई पहल की घोषणा की है। यह पहल दक्षता, संचार और समग्र शिक्षण वातावरण में सुधार के लिए विश्वविद्यालय की चल रही प्रतिबद्धता का एक हिस्सा है।

छात्रों के लिए पंजीकरण संख्या की शुरूआत में कई महत्वपूर्ण लाभ शामिल हैं। इसमें पंजीकरण पर आवेदकों को एक अद्वितीय छात्र पंजीकरण संख्या सौंपी जा रही है, जिससे उनकी प्रवेश प्रगति को ट्रैक करना और विश्वविद्यालय के साथ संवाद करना आसान हो जाएगा। वहीं, अद्वितीय पंजीकरण संख्या आवेदकों को वास्तविक समय में आवेदन की स्थिति, दस्तावेज (प्रपत्र) सत्यापन और शुल्क भुगतान सहित अपनी प्रवेश स्थिति की जांच करने की अनुमति देती है। इससे पारदर्शिता को बढ़ावा मिलेगा और प्रवेश प्रक्रिया के दौरान चिंता कम होगी। इस छात्र पंजीकरण संख्या की शुरूआत विभिन्न प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाती है, जिससे छात्रों के लिए अधिक कुशल और सुविधाजनक अनुभव सुनिश्चित होता है। इसमें अकादमिक रिकॉर्ड तक आसान पहुंच, छात्र पहचान का त्वरित सत्यापन और विश्वविद्यालय के साथ सुव्यवस्थित संचार शामिल है। छात्र पंजीकरण संख्या छात्रों की व्यक्तिगत और शैक्षणिक जानकारी की सुरक्षा के लिए सुरक्षा की एक अतिरिक्त परत जोड़ती है, जिससे अनधिकृत पहुंच या पहचान धोखाधड़ी का जोखिम कम हो जाता है। पंजीकरण संख्या के साथ, छात्र शैक्षणिक सेवाओं, जैसे पाठ्यक्रम पंजीकरण, परीक्षा परिणाम और पुस्तकालय सेवाओं तक आसानी से पहुंच सकते हैं। यह एकीकरण लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षणिक जीवन को अधिक कुशल और उत्पादक बनाता है। छात्र अब अपने पंजीकरण नंबर दे करके अधिक आसानी से आधिकारिक प्रतिलेख और प्रमाणपत्र का अनुरोध कर सकते हैं। वह स्नातकों और पूर्व छात्रों के लिए प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करता है, उनके करियर और शैक्षणिक प्रयासों का समर्थन करता है। साथ ही विश्वविद्यालय अब अपने पंजीकरण नंबरों का उपयोग करके छात्रों को व्यक्तिगत जानकारी और अपडेट भेज सकता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि महत्वपूर्ण घोषणाएं, घटनाएं और शैक्षणिक जानकारी तुरंत सही व्यक्तियों तक पहुंचें। इसके अलावा छात्र पंजीकरण संख्या छात्र समुदायों के गठन की सुविधा दे सकती है, जिससे साथियों के लिए शैक्षणिक और पाठ्येतर परियोजनाओं पर जुड़ना और सहयोग करना आसान हो जाता है। यह पंजीकरण संख्या छात्रों के साथ आजीवन संबंध बनाए रखने में मदद करेगी। वे पूर्व छात्रों की शैक्षणिक और व्यावसायिक यात्राओं पर नजर रखने, नेटवर्किंग, परामर्श और विश्वविद्यालय समुदाय में योगदान की सुविधा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पंजीकरण संख्या पात्र छात्रों को छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता के वितरण में सहायता करेगी, यह सुनिश्चित करेगी कि योग्य व्यक्तियों को उनकी शिक्षा के लिए आवश्यक सहायता प्राप्त हो। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्र पंजीकरण संख्या की शुरूआत समग्र छात्र अनुभव को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह हमारे छात्रों को सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला तक सुविधाजनक पहुंच देता है, जो अंततः उनके लिए योगदान देता है। यह पहल हमारे छात्रों की शैक्षिक यात्रा को बढ़ाने और डिजिटल युग के अनुरूप हमारी सेवाओं में सुधार करने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।